A **((Printed Pages 3)**

Roll No. _____

A-203

बी. ए. (द्वितीय वर्ष) परीक्षा, 2015

प्रयोजनमूलक हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 35**

निर्देश : **प्रथम प्रश्न अनिवार्य** है। शेष **चार** इकाइयों में से प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न कीजिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए : $1\frac{1}{2} \times 10 = 15$

   (क) टिप्पणी के प्रकार बताइए।

   (ख) टिप्पण एवं टिप्पणी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

   (ग) पूरक पत्रों की पद्धति से क्या आशय है?

   (घ) अभिलेख किसे कहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

   (ङ) 'फाइल पद्धति' का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

   (च) आलेखन के महत्त्व पर विचार कीजिए।

   (छ) 'पूरक पत्र' से क्या अभिप्राय है? स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

(ज) टिप्पणी की भाषा कैसी होनी चाहिए? उल्लेख कीजिए।

(झ) सन्दर्भ पत्रिकाओं का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ञ) 'प्रकरण निर्माण' की विधि का उल्लेख कीजिए।

इकाई - एक 5

2. टिप्पणी-लेखन के महत्त्व एवं उसकी आवश्यकता का विवेचन कीजिए।

3. टिप्पणी-लेखन के स्वरूप और प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

इकाई - दो 5

4. आलेखन की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उसके प्रकारों का विवेचन कीजिए।

5. आलेखन की भाषा-शैली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

इकाई - तीन 5

6. सन्दर्भ पत्रिकाओं की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

7. फाइल की निस्तारण पद्धति का उल्लेख कीजिए।

इकाई - चार 5

8. सरकारी कार्यालयों में अभिलेखों की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

9. पूरक पत्रों की उपादेयता स्पष्ट करते हुए उनकी लेखन पद्धति की विवेचना कीजिए।